॥पुत्रप्राप्तिकरं श्रीमहालक्ष्मीस्तोत्रम् ॥

विनियोग : श्री महालक्ष्मी स्तोत्रस्य श्री पराशर ऋषि : , अनुष्टुप छन्द :
श्री महालक्ष्मी देवता , श्रेष्ठ पुत्र रत्न प्राप्ति हेतवे पाठे विनियोग : |

अनाद्यनन्तरूपां त्वां जननीं सर्वदेहिनाम् ।
श्रीविष्णुरूपिणीं वन्दे महालक्ष्मीं परमेश्वरीम् ॥ १ ॥

नामजात्यादिरूपेण स्थितां त्वां परमेश्वरीम् ।
श्रीविष्णुरूपिणीं वन्दे महालक्ष्मीं परमेश्वरीम् ॥ २ ॥

व्यक्ताव्यक्तस्वरूपेण कृत्स्नं व्याप्य व्यवस्थिताम् ।
श्रीविष्णुरूपिणीं वन्दे महालक्ष्मीं परमेश्वरीम् ॥ ३ ॥

भक्तानन्दप्रदां पूर्णां पूर्णकामकरीं पराम् ।
श्रीविष्णुरूपिणीं वन्दे महालक्ष्मीं परमेश्वरीम् ॥ ४ ॥

अन्तर्याम्यात्मना विश्वमापूर्य हृदि संस्थिताम् ।
श्रीविष्णुरूपिणीं वन्दे महालक्ष्मीं परमेश्वरीम् ॥ ५ ॥

सर्पदैत्यविनाशार्थं लक्ष्मीरूपां व्यवस्थिताम् ।
श्रीविष्णुरूपिणीं वन्दे महालक्ष्मीं परमेश्वरीम् ॥ ६ ॥

भुक्तिं मुक्तिं च या दातुं संस्थितां करवीरके ।
श्रीविष्णुरूपिणीं वन्दे महालक्ष्मीं परमेश्वरीम् ॥ ७ ॥

सर्वाभयप्रदां देवीं सर्वसंशयनाशिनीम् ।
श्रीविष्णुरूपिणीं वन्दे महालक्ष्मीं परमेश्वरीम् ॥ ८ ॥

॥ इति श्रीकरवीरमाहात्म्ये पराशरकृतं पुत्रप्राप्तिकरं
श्रीमहालक्ष्मीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

सिध्दी विधान – इस स्तोत्र का शरद पूर्णिमा , दिपावली अथवा ग्रहण के दिन अथवा गुरु पुष्य योग में इस स्तोत्र 1000 पाठ करने से स्तोत्र सिध्द हो जाता है ! विशेष कर पुत्र प्राप्ति की कामना करनेवाले गृहस्थ के लिए यह चमत्कारिक फल देने वाला स्तोत्र है !

स्तोत्र सिद्ध होने पर प्रतिदिन 11 पाठ करें ! और विशेष मुहूर्त में अनुष्ठान पध्दति से १० हजार पाठ एवं दशांश हवन करें ! इस अनुष्ठान के साथ में श्री संतान लक्ष्मी स्तोत्र का भी 108 पाठ का प्रयोग करना चाहिए !

- स्वामी रुपेश्वरानंद आश्रम

अधिक जानकारी हेतु

<https://swamirupeshwaranand.in/> वेबसाइट

देखें...

Whatsapp No . 7607233230

E-mail : swamirupeshwar@gmail.com

Youtube Channel Link :

<https://youtu.be/adwS6JQY9LA>